कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (67) खण्ड - {133}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- विजय माला में आने का मुख्य आधार है -

A- पवित्रता

B- अच्छे-अच्छे फूल बनना

C- याद

D- पढ़ाई

प्रश्न 2- सबसे श्रेष्ठ तकदीर -

A- शूद्र से ब्राह्मण बनना

B- कांटे से खुशबूदार फूल बनना

C- 21 जन्म की राजाई

D- निर्विकारी बनना

प्रश्न 3- स्वर्ग में भी लक्ष्मी-नारायण के तख्त के पिछाड़ी किसका का चित्र रखते हैं ?

A- लक्ष्मीनारायण का

B- शिवबाबा का

C- विष्णु का

D- किसका भी नहीं

प्रश्न 4- जब किसी भी प्रकार का दु:ख आये तो कौन सा मन्त्र ले लो जिससे दु:ख भाग जायेगा ?

A- विध्न-विनाशक

B- मनमनाभव

C- मास्टर सर्व शक्तिवान

D- मामेकम् याद करो

प्रश्न 5- अपने जीवन को हीरे जैसा बनाने के लिए किस बात की बहुत-बहुत सम्भाल चाहिए ?

A- संग की

B- पवित्रता की

C- विकार की

D- भोजन की

प्रश्न 6- धर्मराज की ड्यूटी है -

A- सतयुग से कलियुग अन्त तक है।

B- द्वापर से कलियुग अन्त तक है।

C- त्रेतायुग से कलियुग अन्त तक है।

D- संगमयुग शुरू से अन्त तक है।

प्रश्न 7- तुम बच्चे इस समय सच्चे साहेब को जानते हो। सच्चे साहेब भगवान को किसने कहा ?

A- हम आत्मा ने

B- हम ब्राह्मण बच्चों ने

C- गुरु नानक ने

D- संन्यासियों ने

प्रश्न 8- शिवबाबा करनकरावनहार कब है ?

A- सदा ही है

B- संगमयुग में

C- द्वापर युग से

D- सतयुग से

प्रश्न 9- जिन बच्चों को नशा है कि स्वयं भगवान हमको हेविन का मालिक बनाने के लिए पुरूषार्थ कराते हैं उनकी शक्ल -

A- सदा खिला गुलाब होगी।

B- सन्तुष्ट रहती है।

C- हर्षित होगी।

D- बड़ी फर्स्ट-क्लास खुशनुमः रहती है।

प्रश्न 10- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- कुकर्म,

B- कुदृष्टि,

C- कुवचन,

D- कुधर्म,

प्रश्न 11- बाजोली कौन से चित्र पर अच्छी समझा सकते हैं ?

A- सीढ़ी

B- झाड

C- गोला

D- विराट रूप का चित्र

प्रश्न 12- ब्राह्मण धर्म का धर्मशास्त्र कौन सा है ?

A- सर्वशास्त्र मई शिरोमणी गीता

B- धर्मशास्त्र नही है

C- मुरली

D- श्रीमत

प्रश्न 13- सारे युनिवर्स का बाप है -

A- परमपिता परमात्मा

B- सर्व-शक्तिवान

C- इनकारपोरियल गॉड फादर

D- स्प्रीचुअल फादर

प्रश्न 14- कोई भी हालत में युक्ति रचकर -

A- आत्म-अभिमानी बनना है

B- पवित्र बनो

C- बाप का परिचय हरेक को अवश्य दो

D- सभी को प्रभु पैग़ाम अवश्य देना

प्रश्न 15- बाप कहते हैं तुम बच्चों की खुशी का पारावार नहीं होना चाहिए। क्योंकि

A- तुम्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है।

B- देवी-देवता धर्म बहुत सुख देने वाला है।

C- ईश्वर के धर्म के स्थापना हो रही है।

D- तुम ही संपूर्ण विश्व के मालिक बनते हो।

प्रश्न 16- ..... रहने वाले ही विजय माला के दाने बनते हैं ?

A- कम्पेनियन

B- नष्टेमोहा

C- सहयोगी

D- कर्मातीत

भाग (67) खण्ड {133} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *D.पढ़ाई*

भल पढ़ाई एक ही है, मनुष्य से देवता बनने की ही एम ऑब्जेक्ट है परन्तु टीचर तो नम्बरवार हैं ना। *विजय माला में आने का मुख्य आधार है पढ़ाई।* पढ़ाई तो एक

ही होती है, उसमें पास तो नम्बरवार होते हैं ना। सारा मदार पढ़ाई पर है।

उत्तर 2 - *B.कांटे से खुशबूदार फूल बनना*

कांटे से खुशबूदार फूल बनना - यह है सबसे श्रेष्ठ तकदीर। अगर एक भी कोई विकार है तो कांटा है। जब कांटे से फूल बनो तब सतोप्रधान देवी-देवता बनो। तुम बच्चे अभी 21 पीढ़ी के लिए अपनी सूर्यवंशी तकदीर बनाने आये हो।

उत्तर 3 - *C.विष्णु का*

बाप कहते हैं - बच्चे, तुम्हारी एम ऑब्जेक्ट ही यह है, नर से नारायण बनना। राजयोग है ना। बहुतों को चतुर्भुज का साक्षात्कार होता है, इससे सिद्ध है विष्णुपुरी के हम मालिक बनने वाले हैं। तुमको मालूम है - *स्वर्ग में भी लक्ष्मी-नारायण के तख्त के पिछाड़ी विष्णु का चित्र रखते हैं अर्थात् विष्णुपुरी में इन्हों का राज्य है।*

उत्तर 4 - *B.मनमनाभव*

जब किसी भी प्रकार का दु:ख आये तो मनमनाभव का मन्त्र ले लो जिससे दु:ख भाग जायेगा। स्वप्न में भी जरा भी दु:ख का अनुभव न हो, तन बीमार हो जाए, धन नीचे ऊपर हो जाए, कुछ भी हो लेकिन दु:ख की लहर अन्दर नहीं आनी चाहिए।

उत्तर 5- *A.संग की*

अपने जीवन को हीरे जैसा बनाने के लिए संग की बहुत-बहुत सम्भाल चाहिए, बच्चों को संग उनका करना चाहिए जो अच्छा बरसते हैं। जो बरसते नहीं, उनका संग रखने से फायदा ही क्या! संग का दोष बहुत लगता है, कोई किसके संग से हीरे जैसा बन जाते हैं, कोई फिर किसके संग से ठिक्कर बन जाते हैं।

उत्तर 6- *B.द्वापर से कलियुग अन्त तक है*

तुम हो ईश्वरीय कुल के, तुमको बाप पवित्र बनाते हैं। फिर अगर अपवित्र बनते हैं तो कुल कलंकित बनते हैं। बाप तो जानते हैं ना। फिर धर्मराज द्वारा बहुत सजा दिलायेंगे। बाप के साथ धर्मराज भी है। *धर्मराज की ड्यूटी भी अभी पूरी होती है। सतयुग में तो होगी ही नहीं। फिर शुरू होती है द्वापर से।

उत्तर 7- *C.गुरू नानक ने*

तुम बच्चे इस समय सच्चे साहेब को जानते हो। तुम संन्यासी हो ना। *गुरु नानक देव जी ने सच्चे साहब कहकर भगवान को 'सत्य' और 'कर्ता पुरख' कहा है।* उन्होंने ईश्वर को 'अकाल पुरख' (समय से परे) और 'निरंकार' (निराकार) भी कहा है।

उत्तर 8- *B.संगमयुग में*

बाप कहते हैं - अच्छा वा बुरा काम ड्रामानुसार हर एक करते हैं। नूँध है। मैं थोड़ेही इतने करोड़ों मनुष्यों का

बैठ हिसाब रखूँगा, *मुझे शरीर है तब सब कुछ करता हूँ। करनकरावनहार भी तब कहते हैं। नहीं तो कह न सकें।* मैं जब इसमें आऊं तब आकर पावन बनाऊं। ऊपर में आत्मा क्या करेगी? शरीर से ही पार्ट बजायेगी ना। मैं भी यहाँ आकर पार्ट बजाता हूँ। सतयुग में मेरा पार्ट है नहीं।

उत्तर 9- *D.बड़ी फर्स्ट-क्लास खुशनुम: रहती है*

जिन बच्चों को नशा है कि स्वयं भगवान हमको हेविन का मालिक बनाने के लिए पुरूषार्थ कराते हैं उनकी शक्ल बड़ी फर्स्टक्लास खुशनुम: रहती है। बाप आते भी हैं बच्चों को पुरूषार्थ कराने, प्रालब्ध के लिए। यह भी तुम जानते हो, दुनिया में थोड़ेही कोई जानते हैं।

उत्तर 10- *D.कुधर्म*

बाबा सभी सेन्टर्स के बच्चों को समझा रहे हैं कि कुदृष्टि वाले बहुत ढेर हैं, नाम लेने से और ही ट्रेटर बन जायेंगे। अपनी सत्यानाश करने वाले उल्टे काम करने लग

पड़ते हैं। काम विकार नाक से पकड़ लेता है। *माया छोड़ती नहीं है, कुकर्म, कुदृष्टि, कुवचन निकल पड़ते हैं, कुचलन हो पड़ती है* इसलिए बहुत-बहुत सावधान रहना है।

उत्तर 11- *C.गोला*

तुम्हारी बुद्धि में यह ज्ञान भर जाता है औरों को समझाने के लिए। *गोले पर समझाना भी बड़ा सहज है। * इस समय जनसंख्या देखो कितनी है! सतयुग में कितने थोड़े होते हैं। संगम तो है ना। ब्राह्मण तो थोड़े होंगे ना। ब्राह्मणों का युग ही छोटा है। ब्राह्मणों के बाद हैं देवतायें, फिर वृद्धि को पाते हैं। बाजोली होती है ना।

उत्तर 12- *B.धर्मशास्त्र नही है*

यह नॉलेज बाप ही आकर देते हैं। कोई भी शास्त्र आदि हाथ में थोड़ेही हैं। मैं भी शास्त्र नहीं पढ़ा हूँ, तुमको भी नहीं पढ़ाते हैं। वह सीखते हैं, सिखलाते हैं। *यहाँ

शास्त्रों की बात नहीं। बाप है ही नॉलेजफुल। हम तुमको सभी वेदों-शास्त्रों का सार बतलाते हैं। मुख्य हैं ही 4 धर्मों के 4 धर्मशास्त्र। ब्राह्मण धर्म का कोई किताब है क्या?*

उत्तर 13- *C.इनकारपोरियल गॉडफादर*

बाप ही आकर सारे युनिवर्स को पावन बनाते हैं, योग सिखाते हैं। यह तो सब धर्म वालों के लिए है। कहते हैं अपने को आत्मा समझो, *सारे युनिवर्स का बाप है - इनकारपोरियल गॉड फादर* , तो क्यों न इसका नाम स्प्रीचुअल युनिवर्सिटी ऑफ स्प्रीचुअल इनकारपोरियल गॉड फादर रखें।

उत्तर 14- *C.बाप का परिचय हरेक को अवश्य दो*

मीठे बच्चे - तुम्हारी फ़र्ज-अदाई है घर-घर में बाप का पैगाम देना, *कोई भी हालत में युक्ति रचकर बाप का परिचय हरेक को अवश्य दो*

उत्तर 15- *A.तुम्हे पढ़ाने वाला स्वंय भगवान है*

तुम जानते हो हमको भगवान पढ़ाते हैं। तुम कितना खुश होते हो। *बाप कहते हैं तुम बच्चों की खुशी का पारावार नहीं होना चाहिए क्योंकि तुम्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है,* भगवान तो निराकार शिव है, न कि श्री कृष्ण।

उत्तर 16- *B.नष्टोमोहा*

अगर जरा भी किसी में मोह होगा तो तीव्र पुरूषार्थी के बजाए पुरूषार्थी बन जायेंगे इसलिए क्या भी हो, कुछ भी हो खुशी में नाचते रहो, मिरूआ मौत मलूका शिकार - इसको कहते हैं नष्टोमोहा। *ऐसा नष्टोमोहा रहने वाले ही विजय माला के दाने बनते हैं।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (67) खण्ड - {134}

प्रश्न 1- 7 रोज भागवत वा रामायण आदि रखते हैं क्योंकि -

A- इस समय 7 दिन के लिए भट्टी में रखा जाता है।

B- सप्ताह होता है।

C- परम्परा है।

D- शास्त्रों मे लिखा है।

प्रश्न 2- किसीको ..... कहना कुवचन है ?

A- पत्थरबुद्धि

B- पागल

C- क्रोधी

D- मूर्ख

प्रश्न 3- देह-अभिमान में आने से पहला पाप कौन-सा होता है ?

A- बाप की याद के बजाए देहथारी की याद आयेगी।

B- कुदृष्टि जाती रहेगी।

C- खराब ख्यालात आयेंगे।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- तुम्हें सदैव .....चीज़ को देखना चाहिए।

A- पवित्र

B- अविनाशी

C- आत्मिक

D- हाइएस्ट

प्रश्न 5- शिव-बाबा जो श्रीमत देते हैं उसमें अटूट निश्चय रखकर चलना है, कोई भी विघ्न आये तो घबराना नहीं है,

क्योंकि-

A- हाइएस्ट अथॉरिटी बाप है।

B- रेसपॉन्सिबुल शिवबाबा है।

C- करनकरावनहार बाबा है।

D- आप विध्न विनाशक हो।

प्रश्न 6- शिवबाबा है -

A- भारत का बहुत बड़ा मेहमान हैं।

B- विश्व का सबसे बड़ा मेहमान है।

C- दूरदेश का बहुत बड़ा मेहमान है।

D- हम बच्चों का बहुत बड़ा मेहमान है।

प्रश्न 7- बाप तुम्हारा क्या बनकर आया है। तो तुम्हें आदर करना है ?

A- टीचर

B- मेहमान

C- साजन

D- गाइड

प्रश्न 8- क्या बन काँटों को फूल बनाने की सेवा करनी है ?

A- माली

B- नष्टोमोहा

C- सहयोगी

D- फूल बन

प्रश्न 9 - साधू-सन्त ऋषि-मुनि आदि सब साधना करते हैं। साधना की जाती है-

A- भगवान से मिलने के लिए

B- सद्गति के लिए

C- मुक्ति के लिए

D- शांति के लिए

प्रश्न 10- कौन सा विशेष वरदान स्वयं भी लो और औरों को भी दो-

A- निर्विध्न बनने का

B- हिम्मतवान बनने का

C- सदा सन्तुष्ट और प्रसन्न रहने का

D- सन्तुष्टता का

प्रश्न 11- हम सत के संग में हैं कैसे समझे ?

A- हम आत्मा अब सत बाप को याद कर रहे हैं।

B- वह सत बाप, सत टीचर, सतगुरू है बुद्धि में रहे तो।

C- परमात्मा बाप जो सत्य है, उनके साथ बैठ जाना।

D- स्वच्छ बुद्धि बने तो।

प्रश्न 12- सतसंग करना माना -

A- एक दो को ज्ञान सुनाना।

B- बाप की याद में रहना।

C- तुम आत्मायें अब परमात्मा बाप जो सत्य है, उनके साथ बैठी हो।

D- एक सत बाप, सत शिक्षक और सतगुरू के संग।

प्रश्न 13 - कौन सत बाप के संग में बैठा हैं ?

A- हम आत्मा

B- हम बच्चे

C- स्टूडेंट

D- जीव आत्मा

प्रश्न 14- आत्मा के पंख हैं -

A- शांति-सुख

B- ज्ञान और योग

C- उमंग-उत्साह

D- पंख नहीं हैं

प्रश्न 15- कब विश्व के मालिक, जगत जीत बन जाते हो ?

A- ज्ञान चिता पर बैठने से

B- माली बन कॉटों को फूल बनाने की सेवा करने से

C- घर-घर में बाप का पैगाम देने से

D- संपूर्ण निर्विकारी बनने से

प्रश्न 16- जो बच्चे सदा बापदादा के दिलतख्तनशीन रहते हैं वे -

A- सदा एकरस स्थिति में रहेंगे।

B- माया के विघ्नों से सेफ रहेंगे।

C- राज्य का वा स्टेट के राज्य का तख्त तो मिलता रहेगा।

D- इस पुरानी देह वा देह की दुनिया से विस्मृत रहते हैं।

भाग (67) खण्ड {134} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.इस समय 7 दिन के लिए भट्टी में रखा जाता है*

यह बाप भी गुप्त है तो नॉलेज भी गुप्त है, वर्सा भी गुप्त है। नया कोई भी सुनकर मूँझ पड़ेंगे इसलिये 7 दिन की भट्ठी में बिठाया जाता है। *यह जो 7 रोज भागवत वा रामायण आदि रखते हैं, वास्तव में यह इस समय 7 दिन के लिए भट्ठी में रखा जाता है* तो बुद्धि में जो भी सारा किचड़ा है वह निकालें और बाप से बुद्धियोग लग जाए।

उत्तर 2- *B.पागल*

अगर मुख से कोई कुवचन निकले या कुदृष्टि जाए तो अपने को फटकारना चाहिए - हमारे मुख से कुवचन क्यों निकले, हमारी कुदृष्टि क्यों गई? अपने को चमाट भी मारनी चाहिए, घड़ी-घड़ी सावधान करना चाहिए तब ही ऊंच पद पा सकेंगे। मुख से कटुवचन न निकलें। बाप को तो सब प्रकार की शिक्षायें देनी होती हैं। *किसको पागल कहना यह भी कुवचन है।*

उत्तर 3- *D.उपरोक्त सभी*

अगर देह-अभिमान है तो बाप की याद के बजाए देहधारी की याद आयेगी, कुदृष्टि जाती रहेगी, खराब ख्यालात आयेंगे। यह बहुत बड़ा पाप है। समझना चाहिए, माया वार कर रही है। फौरन सावधान हो जाना चाहिए।

उत्तर 4- *B.अविनाशी*

आत्मा भी निराकार, परमात्मा भी निराकार, इसमें फ़ोटो की भी बात नहीं। तुमको तो आत्मा निश्चय कर बाप को याद करना है, देह-अभिमान छोड़ना है। *तुम्हें सदैव अविनाशी चीज़ को देखना चाहिए।* तुम विनाशी देह को क्यों देखते हो! देही-अभिमानी बनो, इसमें ही मेहनत है।

उत्तर 5- *B.रेस्पॉन्सिबुल शिवबाबा है*

दिन-रात सर्विस में तत्पर रह अपार खुशी में रहना है। तीनों लोकों का राज़ सबको खुशी से समझाना है। *शिव-बाबा जो श्रीमत देते हैं उसमें अटूट निश्चय रखकर चलना है, कोई भी विघ्न आये तो घबराना नहीं है, रेसपॉन्सिबुल शिवबाबा है,* इसलिए संशय न आये।

उत्तर 6- *A. भारत का बहुत बड़ा मेहमान है*

शिवबाबा की भी 12 मास बाद जयन्ती मनाते हैं परन्तु कब से मनाते आये हैं, यह किसको भी पता नहीं है। सिर्फ कह देते हैं कि लाखों वर्ष हुए। कलियुग की

आयु ही लाखों वर्ष लिख दी है। बाप कहते हैं - यह है 5 हज़ार वर्ष की बात। बरोबर इन देवताओं का भारत में राज्य था ना। तो *बाप कहते हैं - मैं भारत का बहुत बड़ा मेहमान हूँ,* मुझे आधाकल्प से बहुत निमन्त्रण देते आये हो।

उत्तर 7- *B.मेहमान*

मीठे बच्चे - *बाप तुम्हारा मेहमान बनकर आया है* तो तुम्हें आदर करना है, जैसे प्रेम से बुलाया है ऐसे आदर भी करना है, निरादर न हो ।

उत्तर 8- *A.माली*

बाबा कहते हैं नये को कभी बाबा के सामने लेकर न आओ। यह तो तुम मालियों का काम है, न कि बागवान का। माली का काम है बगीचे को लगाना। बाप तो डायरेक्शन देते हैं - ऐसे-ऐसे करो इसलिए *माली बन

काँटों को फूल बनाने की सेवा करनी है।* पूरी परवरिश कर फिर बाप के सामने लाना है। मेहनत करनी है।

उत्तर 9 - *A.भगवान से मिलने के लिए*

यह तो समझते हैं हम पतित हैं, साधू-सन्त ऋषि-मुनि आदि सब साधना करते हैं। *साधना की जाती है भगवान से मिलने की।* सो जब तक उनका परिचय न हो तब तक तो मिल नहीं सकते। तुम जानते हो बाप का परिचय दुनिया में कोई को भी नहीं है।

उत्तर 10- *C.सदा संतुष्ट और प्रसन्न रहने का*

प्रशन्सा, प्रसन्नता से ही प्राप्त कर सकते हो इसलिए सदा सन्तुष्ट और प्रसन्न रहने का विशेष वरदान स्वयं भी लो और औरों को भी दो क्योंकि इस यज्ञ की अन्तिम आहुति - सर्व ब्राह्मणों की सदा प्रसन्नता है। जब सभी सदा प्रसन्न रहेंगे तब प्रत्यक्षता का आवाज गूंजेगा अर्थात् विजय का झण्डा लहरायेगा।

उत्तर 11- *A.हम आत्मा अब सत बाप को याद कर रहे हैं*

अभी तुम सत बाप के संग में बैठे हो, बाप की याद में रहना माना सतसंग करना। *याद बाप को करते हो। हम आत्मा अब सत बाप को याद कर रहे हैं अर्थात् सत के संग में हैं।* बाप मधुबन में बैठे हैं। बाप को याद करने की युक्तियाँ भी अनेक प्रकार की मिलती हैं। याद से ही विकर्म विनाश होंगे।

उत्तर 12- *B.बाप की याद में रहना*

सत का संग ज्ञान मार्ग में ही होता है, *अभी तुम सत बाप के संग में बैठे हो, बाप की याद में रहना माना सतसंग करना'*

उत्तर 13- *A.हम आत्मा*

अब वास्तव में भक्ति मार्ग में कोई सतसंग में जाते नहीं। सतसंग होता ही ज्ञान मार्ग में है। *अब तुम सत के संग में बैठे हो। आत्मायें सत बाप के संग में बैठी हैं।* और कोई जगह आत्मायें परमपिता परमात्मा के संग में नहीं बैठती। बाप को जानते नहीं। भल कहते हैं हम सतसंग में जाते हैं परन्तु वह देह-अभिमान में आ जाते हैं।

उत्तर 14- *D.पंख नहीं है*

आत्मा एक अमूर्त और शाश्वत अवधारणा है, जो भौतिक पंखों से रहित है *आत्मा के पंख नहीं होते।* यह एक आध्यात्मिक अवधारणा है, भौतिक वस्तु नहीं, इसलिए इसके पंख नहीं हो सकते। आत्मा शरीर के मरने के बाद भी मौजूद रहता है.

उत्तर 15- *A.ज्ञान चिता पर बैठने से*

बाप गोरा बनाते हैं फिर भी गिरकर काला मुँह कर देते हैं। बाप आये हैं तुम बच्चों को ज्ञान चिता पर बिठाने।

ज्ञान चिता पर बैठने से तुम विश्व के मालिक, जगत जीत बन जाते हो।

उत्तर 16- *D. इस पुरानी देह वा देह की दुनिया से विस्मृत रहते हैं*

जो बच्चे सदा बापदादा के दिलतख्तनशीन रहते हैं *वे इस पुरानी देह वा देह की दुनिया से विस्मृत रहते हैं,* इसे देखते हुए भी नहीं देखते।संगमयुगी श्रेष्ठ आत्माओं का स्थान है ही बापदादा का दिलतख्त। ऐसा तख्त सारे कल्प में नहीं मिल सकता।